

राजनीति विज्ञान तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध / POLITICAL SCIENCE AND INTERNATIONAL RELATIONS

प्रश्न-पत्र II / Paper II

निर्धारित समय : तीन घंटे

Time Allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250

Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हुए हैं ।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer (QCA) Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

Q1. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each :

10×5=50

- (a) तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन के व्याख्यात्मक दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए।
Discuss the interpretive approach to the study of comparative politics. 10
- (b) विश्व-व्यवस्था सिद्धांत के केन्द्रीय तत्त्वों की व्याख्या कीजिए।
Explain the central tenets of the World-Systems Theory. 10
- (c) रूस के वर्तमान शासन की विस्तारवादी प्रवृत्ति उसके सोवियत जमाने जैसा महा रूस बनाने के इरादों का संकेत देती है। टिप्पणी कीजिए।
The expansionist tendencies of the current Russian regime indicate its intentions for the realisation of a Greater Russia on the lines of the Soviet era. Comment. 10
- (d) अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन के लिए आदर्शवादी दृष्टिकोण के विभिन्न पहलुओं की व्याख्या कीजिए। इस दृष्टिकोण की समसामयिक प्रासंगिकता पर टिप्पणी कीजिए।
Explain the various facets of the idealist approach to the study of international relations. Comment on its contemporary relevance. 10
- (e) बदलती विश्व व्यवस्था तथा चल रहे क्षेत्रीय संघर्षों ने, साथ ही वैश्विक शक्तियों का इनमें पक्ष लेना, निरस्त्रीकरण के लिए पहले हुई प्रगति को खतरे में डाल दिया है। टिप्पणी कीजिए।
The changing global order and ongoing regional conflicts, with the global powers taking sides, have jeopardised the progress made towards disarmament in the past. Comment. 10

Q2. (a) “विवैश्वीकरण वैश्वीकरण को विस्थापित कर रहा है।” टिप्पणी कीजिए।

“Deglobalisation is displacing globalisation.” Comment. 20

(b) उन्नत पूँजीवादी अर्थव्यवस्थाओं में उत्तर-आधुनिक राज्य की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं ? विश्लेषण कीजिए।

What are the distinctive features of the post-modern state in the advanced capitalist economies ? Analyse. 15

(c) नाफ्टा की क्या खामियाँ थीं ? संयुक्त राज्य अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा समझौते द्वारा इसके प्रतिस्थापन ने उनका प्रतिकार कैसे किया ? व्याख्या कीजिए।

What were the limitations of NAFTA ? How did its replacement by the United States-Mexico-Canada Agreement counter them ? Explain. 15

- Q3. (a) विश्व के विभिन्न देशों में महिलाओं के दैहिक अधिकारों के संबंध में हाल ही के प्रमुख सामाजिक आंदोलनों की चर्चा कीजिए।

Discuss the major recent social movements related to the physical rights of women in various countries of the world.

20

- (b) विकासशील समाजों में लोकतन्त्र के पोषण एवं स्थायीकरण में राजनीतिक दलों की भूमिका का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Critically examine the role of political parties in sustaining and stabilising democracies in the developing societies.

15

- (c) क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि यू.एस.ए. संसार में अपना वर्चस्व कायम रखने के लिए रणनीति के पारम्परिक उपकरण के रूप में नाटो का उपयोग करता है ?

Do you agree with the view that the USA uses NATO as a traditional tool of strategy to perpetuate its hegemony in the world ?

15

- Q4. (a) "ग्राम्शी द्वारा प्रतिपादित आधिपत्य सिद्धांत वैश्विक शक्ति की प्रकृति में कई मूल्यवान अन्तर्दृष्टि प्रदान करता है।" टिप्पणी कीजिए।

"The Gramscian theory of hegemony provides many valuable insights into the nature of global power." Comment.

20

- (b) व्यापार बाधाओं एवं आर्थिक प्रतिबंधों की वापसी ने GATT की भावना को क्षीण कर दिया है। इस संदर्भ में, वर्तमान समय में WTO की अवनति के लिए योगदान देने वाले कारकों की चर्चा कीजिए।

The return of trade barriers and economic sanctions has diminished the spirit of GATT. In this context, discuss the factors contributing to the decline of WTO in recent times.

15

- (c) क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि ई.यू. क्षेत्रीय समन्वयन प्रक्रिया में अब तक का सबसे सफल प्रयोग प्रमाणित हुआ है ? इसकी सफलताओं तथा हाल ही में उसके सम्मुख आई कुछ चुनौतियों का स्पष्टीकरण कीजिए।

Do you agree with the view that the EU has thus far proved to be the most successful experiment in the regional integration processes ? Account for its successes and also some of the recent challenges that it is faced with.

15

खण्ड B
SECTION B

Q5. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each :

10×5=50

- (a) “वीटो के अधिकार के बिना स्थायी सदस्य बनने के स्थान पर भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् का अर्ध-स्थायी सदस्य बनने का प्रयास करना चाहिए।” टिप्पणी कीजिए।

“India must strive to become a semi-permanent member of the UNSC, rather than a permanent member without the right to veto.” Comment. 10

- (b) ऐतिहासिक रूप से भूटान भारत का मित्र रहा है, परंतु चीन-भूटान के सीमा संबंधी मुद्दे भारत के लिए सुरक्षा के मुद्दे बन गए हैं। चर्चा कीजिए।

Bhutan has historically been an ally of India, but the China-Bhutan border related issues have become a security issue for India. Discuss. 10

- (c) “जब तक भारत डब्ल्यू.टी.ओ. की वार्ताओं में सक्रिय भागीदारी नहीं करता, तब तक कोई प्रगति नहीं होगी।”

डब्ल्यू.टी.ओ. में भारत के बढ़ते दबदबे के प्रमुख कारणों पर चर्चा कीजिए।

“Nothing is going to move within the WTO negotiations unless India is on board.”

Discuss the main reasons behind India's increased clout in the WTO. 10

- (d) “एशिया-प्रशांत” रणनीति को नई शब्दावली “भारत-प्रशांत” रणनीति से प्रतिस्थापित करने के पीछे के तर्क पर चर्चा कीजिए।

Discuss the rationale behind replacing the “Asia-Pacific” strategy with the new term “Indo-Pacific” strategy. 10

- (e) गहरे संबंधों के बावजूद, चीन द्वारा श्रीलंका में निवेश एवं आर्थिक प्रभुत्व के बढ़ते प्रभाव के कारण भारत और श्रीलंका के संबंधों में तनाव देखा गया है। विश्लेषण कीजिए।

Despite deep ties, India's relations with Sri Lanka have seen strains due to China's growing influence in Sri Lanka through investments and economic dominance. Analyse. 10

- Q6.** (a) क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि हाल में भारत की विदेश नीति नेहरूवाद से नवउदारवाद की ओर संक्रमण की स्थिति में है ? उचित उदाहरणों की सहायता से अपने उत्तर का समर्थन कीजिए।

Would you concur with the view that of late, India's foreign policy has been in a transition mode from Nehruvianism to Neoliberalism ? Support your answer with the help of suitable examples. 20

- (b) क्या भारत और चीन के बीच बढ़ते टकराव को देखते हुए 21वीं सदी के 'एशियाई सदी' होने का विचार संभव प्रतीत होता है ?

Does the idea of the 21st century as 'Asian century' continue to remain feasible given the growing friction between India and China ? 15

- (c) 21वीं सदी में एक नई अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था स्थापित करने के लक्ष्य को साकार करने में वैश्विक दक्षिण के नेता के रूप में भारत की संभावित भूमिका पर चर्चा कीजिए।

Discuss the potential role that India could play as the leader of the Global South in realising the goal of establishing a new international economic order in the 21st century. 15

- Q7.** (a) आसियान और बिम्सटेक जैसे अन्य क्षेत्रीय समूहों पर भारत के बढ़ते फोकस/संकेन्द्रण के आलोक में सार्क के भविष्य पर चर्चा कीजिए।

Discuss the future of SAARC in the light of India's increased focus on other regional groupings like ASEAN and BIMSTEC. 20

- (b) वास्तविक परमाणु शक्ति के रूप में मान्यता प्राप्त होने के बावजूद परमाणु अप्रसार संधि (एन.पी.टी.) पर हस्ताक्षर करने से भारत के लगातार इनकार का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Critically examine India's persistent refusal to sign the nuclear non-proliferation treaty (NPT) despite being recognized as a de facto nuclear power. 15

- (c) "भारत और यू.एस.ए. इतने सशक्त रणनीतिक साझेदार बन गए हैं कि उन्हें औपचारिक सहयोगी बनने की आवश्यकता नहीं है।" टिप्पणी कीजिए।

"India and USA have become such strong strategic partners that they need not become formal allies." Comment. 15

- Q8.** (a) चल रहे इज़राइल-हमास युद्ध के मद्देनजर भारत की फिलिस्तीन नीति में निरंतरता और परिवर्तन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Critically examine the continuity and change in India's Palestine policy in the wake of the ongoing Israel-Hamas War. 20

- (b) उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की जटिल नृजातीय-राजनीतिक गतिशीलता पर भारत सरकार द्वारा म्याँमार के साथ मुक्त आवागमन व्यवस्था (फ्री मूवमेन्ट रिजीम) को समाप्त करने के आशय पर चर्चा कीजिए।

Discuss the implications of the scrapping of the Free Movement Regime with Myanmar by the Indian Government on the complex ethno-political dynamics of the north-eastern region. 15

- (c) “भारत ने हाल में, बहु-संरेखण की अपनी खोज में गुटनिरपेक्षता को खारिज करने का विकल्प चुना है।” टिप्पणी कीजिए।

“India has of late, chosen to debunk non-alignment in its pursuit of multi-alignment.” Comment. 15

